


न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम जिला करौली

नं० 5 / 19

तारीखरजः- 28.8.19

उनवान:- राधेश्याम आदि बनाम रमेश वगै०

प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212

दिनांक	फर्द अहकाम
28.8.19	<p>प्रार्थी की और से अधिवक्ता श्री सुनील कुमार जिन्दल एडवोकेट हाजिर प्रार्थी अधिवक्ता के इस अनुरोध पर कि प्रकरण अत्यावश्यक प्रकृति का है तथा प्रार्थी के पक्ष में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित नहीं किये जाने पर वाद व प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही असफल हो जायेगा। प्रार्थना पत्र अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा के बिन्दू पर वकील प्रार्थी को सुना गया। वकील प्रार्थी का कथन है कि अप्रार्थीगण प्रश्नगत भूमि में सायलान को प्रार्थी के पक्ष में अन्तरिम निषेधाज्ञा जारी की जावे। प्रार्थना पत्र की प्रकृति एवं आकस्मिकता को देखते हुए अप्रार्थीगण को जरिये अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है। कि आगामी पेशी दिनांक 16.09.2019 तक विवादग्रस्त आराजी ख०न० 119/0.14, 304/0.12, 307/0.12 ग्राम कुढावल तहसील टोडाभीम जिला करौली में आगामी पेशी तक निर्माण कार्य नहीं करने हेतु पाबन्द किया जाता है।</p> <p>प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है। कि अप्रार्थीगण के नोटिस तामिल को सामान्य व साधारण प्रक्रिया के साथ-साथ अप्रार्थीगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेज व नोटिस आदि की प्रतिया रजिस्टर्ड डाक से भिजवाना सुनिश्चित करे। तथा आगामी पेशी पर इस आशय का शपथ पत्र तथा रसीद प्रस्तुत भी करे। तथा बहस हेतु तैयार नहीं होने पर आगामी सुनवाई को अस्थाई निषेधाज्ञा स्वतः निष्प्रभावी मानी जावेगी। प्रकरण को स्वच्छ हाथों से प्रस्तुत किया हुआ मानकर तथा एक पक्षीय सुनवाई के आधार पर न्यायालय के विवेकाधीन शक्तियों के तहत यह अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गई है। लिहाजा प्रार्थीगण से यह अपेक्षा की जाती है। कि वह उपरोक्तानुसार अप्रार्थीगण पर एक पक्षीय आदेश की तामिल की उपर्युक्तानुसार ठोस कार्यवाही कर इस न्यायालय को प्रमाण पेश करे। तथा आदेश 39 नियम (3) (क) के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करे। अन्यथा अन्तरिम आदेश को आईन्दा तारीख पेशी तक विस्तारित करने से पूर्व न्यायालय अपने विवेकाधिकार एवं अन्तर्निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा। जिन परिस्थितियों में यह अन्तरिम निषेधाज्ञा पारित की गई है में परिवर्तन की दशा में संशोधित/वैकट कर दी जावेगी। अप्रार्थीगण को जरिए रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 16.09.2019 को पेश हो।</p>
	<p style="text-align: center;"> उप जिला कलक्टर टोडाभीम जिला करौली</p>
16.9.19	<p>प्रार्थी वकील उप। अप्रार्थी के की ओरसे श्री मदनमोल शर्मा नि.व. ने कालतनामा पेश किया। जबकि पेश करने दिनांक 10.10.19 को पेश हो।</p>

4340-42  
28-8-19

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम जिला

दिनांक	फर्द अहकाम
10-10-19	वकूलाय उप०   जबाब पेश करने दिनांक 7-11-19 को पेश हो।
7-11-19	वकूलाय उप०   जबाब पेश करने दिनांक 4-12-19 को पेश हो।
4-12-19	वकूलाय उप०   जबाब पेश करने पुनः एक मोका भेज-वाहा। सुनका दफ्तील एक मोका दिनांक 9-1-20 को पेश हो।
9-1-20	वकूलाय उरियत/पीयसक अधिकारी मुनाफ इन्ट्री में पधार है। अतः पत्रावली गतानुसार दिनांक 24-2-20 को पेश हो।
24-2-20	वकील/वकील उभय पक्ष उपस्थित पत्रावली अधिकारी को दिनांक 18-3-20 को पेश हो। मुनाफ: अध्यायी वकीलने जबाबपेश किया। शामिल किया। जबाब की गति वकील गर्फी को दिलवार्ड 11-0-20 को पधार है आर्चन्ट दिनांक 6-3-20 को पेश हो।
6-3-20	वकील उभयपक्ष उपस्थित। बहस सुनी गई। वास्ते आदेश दिनांक 16-3-20 को पेश हो।
16-3-20	पत्रावली पेश हुई। वकील उभय पक्ष उपस्थित। पत्रावली वास्ते आदेश निपत है। वकील सायतान व गैरसायतान की बहस पर मनन किया तथा पत्रावली में शामिल दस्तावेजों का अवलोकन किया। इस प्रार्थना पत्र से संबंधित मूल वाद वाकत तकाहमा आराजीयात प्राथमिक डिक्ली किया जा चुका है। मूल वाद के निस्तारण तक दिनांक 28-8-19 को जारी की गई अंतरिम अस्थाई




उपजिला कलक्टर  
टोडाभीम (रुड़ौली)

# न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

क

फर्द अहकाम

निवेधाना को कन्फर्म किया जना उचित पाता हूँ।  
अतः गैर सायलान को अस्थाई निवेधाना से बाँध  
किया जाता है कि मूल वाद के निस्तारण तक  
ग्राम कुदावल की भूमि खसरा नम्बर 119/0.14,  
304/0.12, 307/0.12 में किसी भी प्रकार का निमोचन  
नहीं करें। निर्णय आज दिनांक 16.3.20 के  
सुले न्यायालय में लिखा जाकर सुनाया गया।  
पत्रावली फैसल सुमार होकर नम्बर से कम  
होकर दावा पत्रावली के साथ संलग्न रहे।

  
(दुर्गाप्रसाद मीना)  
उपजिला कलक्टर  
टोडाभीम (करौली)

